अध्याय- पंचम

शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

अध्याय– पंचम

शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना–

किसी भी देश का विकास उस देश की शिक्षा पर निर्भर करता है इसलिये आज विश्व के समस्त देश शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रहे है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 45 में यह प्रावधान था कि ''आगामी 10 वर्षो में 6 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के समस्त बालकों के लिये निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था की जाये।

इस लक्ष्य को पाने के लिये शासकीय एवं अशासकीय प्रयासों के बाद मात्र 63 प्रतिशत साक्षरता दर प्राप्त की है। अभी भी बहुत अधिक बालक शिक्षा की मुख्य धारा से नहीं जुड़ पाये है।

शिक्षक राष्ट्र का निर्माता होता है। राष्ट्रीय तथा सामाजिक विकास में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है प्राचीनकाल से ही इसी कारण शिक्षक को आदरपूर्ण स्थान दिया जाता रहा है। शिक्षक समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूक होगे तब ही विद्यार्थियों में समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूकता आ सकती है। इसलिये प्रस्तुत शोध अध्ययन में समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति का अध्ययन विषय को चयनित किया गया है।

इस अध्ययन में लघु शोध का सारांश एवं अध्याय चतुर्थ में दिये गये प्रदत्तों के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष को प्रस्तुत किया गया है।

5.2 समस्या कथन–

समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति का अध्ययन।

5.3 चर –

शोध समस्या में निम्न चर है–

1. अभिवृत्ति
2. जागरूकता

5.4 अध्ययन के उद्देश्य –

1. विद्यालय प्रबंधन के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में भिन्नता का अध्ययन करना।
2. विद्यालय प्रबंधन के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति में भिन्नता का अध्ययन करना।
3. लिंग के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में भिन्नता का अध्ययन करना।
4. लिंग के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति में भिन्न्ता का अध्ययन करना।
5. शिक्षण अनुभव के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में भिन्नता का अध्ययन करना।
6. शिक्षण अनुभव के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति में भिन्नता का अध्ययन करना।
7. समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति में सह–संबंध का अध्ययन करना।

5.5 परिकल्पनाये–

1. समावेशी शिक्षा के प्रति विद्यालय प्रबंधन के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अन्तर नही है।
2. समावेशी शिक्षा के प्रति विद्यालय प्रबंधन के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
3. समावेशी शिक्षा के प्रति लिंग के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं है।
4. समावेशी शिक्षा के प्रति लिंग के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।

5. समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षण अनुभव के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं है।
6. समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षण अनुभव के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
7. समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति में सार्थक सहसंबंध नहीं है।

5.6 समस्या का सीमांकन–

1. प्रस्तुत शोध कार्य म.प्र. के भोपाल शहरी विस्तार तक सीमित है।
2. प्रस्तुत शोध कार्य तीन अशासकीय विद्यालयों और तीन शासकीय विद्यालयों में किया गया।
3. प्रस्तुत शोध कार्य प्रारंभिक शिक्षकों पर ही किया गया।
4. प्रस्तुत शोध कार्य प्रारंभिक शिक्षकों की समावेशी शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति और जागरूकता के संबंध में ही किया गया।

5.7 शोध न्यादर्श–

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोधार्थी द्वारा प्रतिदर्श का चयन के लिये शहरी स्कूल लिये गये है जिसके अन्तर्गत तीन अशासकीय और तीन शासकीय विद्यालय लिये गये है।

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोधार्थी द्वारा 100 प्रारंभिक शिक्षकों को आकस्मिक प्रकार से चयनित किया गया है।

5.8 शोध में प्रयुक्त उपकरण–

समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति की प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करने के लिये लिर्कट मापनी के आधार पर शोधार्थी द्वारा जागरूकता मापनी और अभिवृत्ति मापनी को 5 स्कोरिंग से विकसित किया गया है।

5.9 प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यकीय–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा समावेशी शिक्षा के प्रति विद्यालय प्रबंधन, लिंग, शिक्षण अनुभव के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की

जागरूकता में भिन्नता का अध्ययन करने के लिये t-test का उपयोग किया गया।

शोधार्थी द्वारा समावेशी शिक्षा के प्रति विद्यालय प्रबंधन, लिंग, शिक्षण अनुभव के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति में भिन्नता का अध्ययन करने के लिये t-test का उपयोग किया गया।

शोधार्थी द्वारा समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति में सार्थक सहसंबंध का अध्ययन करने के लिये Pearson product moment correlation (r) का उपयोग किया गया।

5.10 अध्ययन के मुख्य परिणाम –

1. समावेशी शिक्षा के प्रति विद्यालय प्रबंधन के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अन्तर है।
2. समावेशी शिक्षा के प्रति विद्यालय प्रबंधन के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति में सार्थक अंतर है।
3. समावेशी शिक्षा के प्रति लिंग के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं है।
4. समावेशी शिक्षा के प्रति लिंग के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
5. समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षण अनुभव के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं है।
6. समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षण अनुभव के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
7. समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति में सार्थक सहसंबंध नहीं है।

5.11 निष्कर्ष –

प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुये है–

1. समावेशी शिक्षा के प्रति विद्यालय प्रबंधन के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अन्तर पाया गया अर्थात् समावेशी शिक्षा के प्रति शासकीय विद्यालयों के प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता

अशासकीय विद्यालयों के प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता से अधिक है।

2. समावेशी शिक्षा के प्रति विद्यालय प्रबंधन के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया गया अर्थात् समावेशी शिक्षा के प्रति शासकीय विद्यालयों के प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति अशासकीय विद्यालयों के प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति से अधिक है।
3. समावेशी शिक्षा के प्रति लिंग के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अन्तर नही पाया गया अर्थात् समावेशी शिक्षा के प्रति महिला तथा पुरूष प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. समावेशी शिक्षा के प्रति लिंग के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया अर्थात् समावेशी शिक्षा के प्रति महिला तथा पुरूष प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
5. समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षण अनुभव के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। अर्थात् समावेशी शिक्षा के प्रति 1-10 वर्ष तथा 10 वर्ष से ऊपर प्रारंभिक शिक्षकों के शिक्षण अनुभव की जागरूकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
6. समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षण अनुभव के आधार पर प्रारंभिक शिक्षकों की सकारात्मक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया अर्थात् समावेशी शिक्षा के प्रति 1-10 वर्ष तथा 10 वर्ष के ऊपर प्रारंभिक शिक्षकों के शिक्षण अनुभव की सकारात्मक अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
7. समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति में सकारात्मक सहसंबंध है यद्यपि सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया।

5.12 भावी शोध हेतु सुझाव :-

भविष्य में शोध हेतु कुछ प्रस्तावित समस्याएं अध्ययन के लिये ली जा सकती है क्योकि भारत में समेकित शिक्षा को उचित स्थान नहीं मिल पाया है। इस दिशा में शोधार्थी के अनुसार भावी शोध हेतु कुछ महत्वपूर्ण समस्याएं इस प्रकार है :-

(i) नगरी व ग्रामीण क्षेत्रों में समेकित शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों (अन्य व विशिष्ट) की अभिवृत्ति का अध्ययन।

(ii) समेकित शिक्षा का विद्यार्थियों (अन्य व विशिष्ट) के शैक्षिक स्तर पर प्रभाव।

(iii) ग्रामीण क्षेत्रों में समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षकों की जागरूकता और अभिवृत्ति का अध्ययन।

(iv) समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको की नवीनता का अध्ययन।

(v) समावेशी शिक्षा के प्रति अभिभावको की अभिवृत्ति व जागरूकता का अध्ययन।

(vi) किस वर्ग के निःशुक्त बालक निःशक्तता से लाभान्वित हो रहे है।

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल मध्य प्रदेश
Regional Institute of Education, Bhopal
पुस्तकालय
Library